दृष्टि The Vision

Mentorship Program

drishti

Test 1

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे *Time allowed: 3 Hours*	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

Name: Neelesh **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:** _____

Center & Date: 24/06/2023 **UPSC Roll No.:** 0414629

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

"खेल-चरित्र का निर्माण नहीं करते हैं। वे इसे प्रकट करते हैं।"

भारतीय संस्कृति में खेलों का प्राचीनकाल से ही महत्त्व रहा है, बात महाभारत में पांडवों व कौरवों के मध्य की हो या वर्तमान की।

यह दृश्य है उस समय का जब समस्त बल्लेबाज़ एक-एक करके आउट हो रहे थे। समस्त भारतवर्ष की निगाहें अपनी-अपनी टेलीविजन स्क्रीन पर थी, ऐसा लग रहा था मानो हार का दृश्य नजदीक है तभी टीम के कप्तान अपने साहस और सूझबूझ के साथ पिच पर उतरते हैं तथा संयम, धैर्य से युक्त चरित्र का परिचय देकर अंततः 'विश्वकप' जीतने की सफलता अपने नाम करते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त स्थिति किसी भी खिलाड़ी हेतु अत्यंत दबाव का समय होती है किंतु एक साहस, धैर्य, तथा समभाव से युक्त व्यक्ति ऐसे दबावों में भी पार पा लेता है।

इस प्रकार खेल चरित्रों को गरिब से गरिब परिस्थितियों में डालकर उन्हें अपने आपको साबित करने का अवसर देते हैं या कहें तो प्रकट करते हैं।

किंतु प्रश्न यह है कि क्या खेल सिर्फ चरित्र को प्रकट करते हैं या उनका निर्माण भी करते हैं?

इसका उत्तर यह होगा कि ~~प्रश्न~~ खेल चरित्रों के निर्माण के साथ-साथ चरित्र को प्रकट भी करते हैं। उदाहरण के लिए सत्यनिष्ठा व ईमानदारी से रहित व्यक्ति खेल में अनैतिक रास्तों को अपनाकर जीतने की कोशिश करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जैसे डोपिंग, मैच फिक्सिंग आदि द्वारा किंतु उच्च आदर्शों के मूल्यों से युक्त खिलाड़ी सदैव सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी व खेलभावना से ही अपना दायित्वपूर्ण करेगा।

हालांकि चरित्र प्रकट के साथ-साथ खेलों के माध्यम से निरंतर चरित्र का निर्माण होता है। खेलों से ही टीमभावना, आत्मविश्वास, सहयोग, करुणा, समर्पण आदि मूल्यों का परिमार्जन होता है।

विद्यालयों से प्रारंभ में खेलों के द्वारा ही समानता, भ्रातृत्व सिखाया जाता है ताकि एक बेहतर चरित्र का निर्माण हो सके। जो सही-गलत का चुनाव कर सके, भेदभाव-रहित तरीके से जीवन यापन करे, समभाव, सत्यनिष्ठा का पालन करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अब प्रश्न यह है कि हमेशा खेल अच्छे ही चरित्र का निर्माण करते हैं? ~~इसका उत्तर हम डॉ. भीमराव अंबेडकर के कथन से समझ सकते हैं " संविधान चाहे~~

इसका उत्तर यह होगा की व्यक्ति-व्यक्ति के अनुरूप परिणाम हमारे समक्ष आते हैं। खेल अपने आप में अच्छे या बुरे चरित्र का निर्माण नहीं करते किंतु वह उन उपयुक्त अवसरों का निर्माण करते हैं जहां हम अपना विकास कर सकें।

इसके अतिरिक्त खेल सिर्फ व्यक्ति चरित्र के निर्माण या प्रकटीकरण के अतिरिक्त समाज, देश की विचारधारा, वहाँ के मूल्य तथा स्थितियों को भी बताते हैं। उदाहरण के लिए समय को अत्यधिक महत्व देने वाले समाज में अधिक समयलाघव खेलों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जो प्रतीयता कम दी जायेगी उदाहरण क्रिकेट आदि जबकि शीघ्र समाप्त होने वाले खेलों को प्राथमिकता जैसे फुटबाल आदि।

क्रिकेट का अपने खेल के रूप में विकास इसी बात का प्रमाण है। पहले लोग 'टेस्ट मैच' देखना पसंद करते थे जो 4-5 दिन में समाप्त होता था, फिर 'वन-डे' क्रिकेट का प्रचलन अधिक हुआ और अभी 'टी-ट्वेन्टी' तथा आई-पीएल आ है।

इस प्रकार खेलों से किसी देश, समाज या व्यक्ति की प्राथमिकताओं को ही नहीं बल्कि उनके मूल्यों और चरित्रों को भी समझा जा सकता है। जैसे सुविधा संपन्न वर्ग अधिकांशतः
- घुड़सवारी, गोल्फ क्लब, आदि खेलों को प्राथमिकता देते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वहीं शहरों से दूर गाँवों में जहां साधन-सुविधाएँ नहीं हैं ऐसे खेलों को प्राथमिकता दी जाती है जो सहजता से बिना संसाधनों के सम्पन्न हो सके। उदाहरण के लिए गुल्ली डंडा, कबड्डी आदि।

इतना ही नहीं खेल अक्सर हमारे समाज के चरित्र को भी प्रकट करते हैं। जिस समाज में सभी वर्ग एवं सभी प्रकार के खेलों तक पहुँच रखते हैं तथा उन्हें खेल सकते हैं वह समाज समानता का द्योतक होता है। जबकि जहाँ कुछ सीमित खेल सीमित वर्ग के लिए वहाँ असमानताएँ, भेदभाव जन्म लेता है। उदाहरण के लिए महाभारत में एकलव्य को धनुष चलाने सीखने पर सजा मिलना। कर्ण को युद्ध लड़ने से वंचित करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसी तरह जो समाज महिलाओं पुरुषों के मध्य विभेद करता है वहां भी भिन्नताएँ नजर आती हैं यथा कई क्षेत्रों में लड़किया 'खो-खो' जैसे खेल में भाग लेती हैं जबकि लड़के 'कबड्डी' में। इसका एक अर्थ यह है कि समाज का अप्रत्यक्ष रूप से मानना है कि लड़किया शारीरिक बल वाले खेलों के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

किंतु जिस समाज का चरित्र समानता तथा प्रोत्साहन जैसे मूल्यों से युक्त होगा वह लड़के-लड़कियों दोनों को समान रूप से भाग लेने हेतु प्रेरित करेगा।

इसी क्रम में खिलाड़ियों के चरित्र का परीक्षण ~~निरीक्षण~~ भी कठोर परिस्थितियों में होगा जहां वे अपने मूल्यों व चरित्र को प्रकट करते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

फिल्म 'चक दे इंडिया' में देखा जा सकता है हॉकी टीम में झारखण्ड के आदिवासी क्षेत्र से आई मौली व उसकी सहेली के साथ अन्य महिला खिलाड़ियों का भेदभावपूर्ण बर्ताव खेल-भावना के मूल्य की पराजय है। वहीं अन्य खिलाड़ियों उनके स्थानों के नामों से पूर्वाग्रहपूर्ण तरीके से पुकारना भी उत्तम खिलाड़ी के चरित्र को प्रदर्शित नहीं करता है।

इसके विपरीत हॉकी फेडरेशन के टीम में पर भरोसा न होने पर, अपने परिवार द्वारा वापस लौटने का दबाव बनाने के बावजूद विद्या 'टीम कैप्टन' धैर्य व साहस से काम लेती है और अंततः टीम को विजय मिलती है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि खेल हमारे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समाज, राष्ट्र के चरित्र के साथ साथ खिलाड़ियों के चरित्र को भी प्रकट करते हैं।

खेल अपमान देते हैं हमें सीखने का कि सतत कठोर परिश्रम, हार न मानने से सफलता अवश्य मिलती है। ऐसे ही खेलों से समानता, आत्मविश्वास सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों का विकास समाज व राष्ट्र की पूँजी होती है। जो न केवल खिलाड़ियों को बल्कि समाज व राष्ट्र का भी विश्वपटल पर प्रकटीकरण कर गौरवान्वित करती है।

अतः एक राष्ट्र को जो सतत उच्च आदर्शों के लिए जाना जाता रहा है निरंतर प्रयासरत होना चाहिए कि समाज में सतत ऐसे मूल्य विकसित हो जिसमें समानता, समृद्धि और भाईचारे का विकास हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ऐसे ही समाज विद्यालय से लेकर राष्ट्रस्तर तक ऐसे चरित्रों का निर्माण करते हैं जो विपरीत परिस्थितियों में साहस साथ विनयी होते हैं न कि डर या भय से हार मान लेना। इसी परिप्रेक्ष्य में रामधारी सिंह दिनकर की ये पंक्तियाँ प्रासंगिक हो जाती हैं कि-

"वसुधा का नेता कौन हुआ,
भूखंड विजेता कौन हुआ,
जिसने न कभी आराम किया,
विघ्नों में रहकर काम किया।।"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खण्ड-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation